सरकार ने राहत एवं बचाव कार्य के लिए 96.50 करोड़ रुपये जारी किए

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

शिमला। प्रदेश में पिछले 24 घण्टों के दौरान हुई भारी वर्षा से जान-माल को हुए नुकसान को देखते हुए राज्य सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों के लिए 96.50 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

मुख्य सचिव विनीत चौधरी ने आज यहां प्रदेश में बारिश से हुए नुकसान की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी। प्रदेश के सभी उपायुक्तों ने भी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इस बैठक में भाग लिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एक अप्रैल, 2018 से लेकर कुल 229 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है और जिलों की आवश्यकता के अनुरूप और धनराशि जारी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि राज्य मुख्यालय पर प्राप्त अंतिम सूचना के अनुसार अब तक विभिन्न जिलों से 16 व्यक्तियों की मृत्यु का समाचार है, जिनमें बिलासपुर तथा ऊना जिले में एक-एक, हमीरपुर में दो, मण्डी में चार तथा सोलन जिले में आठ व्यक्तियों की मुत्यु हुई है। प्रभावित परिवारों को जिला प्रशासन के माध्यम से अंतरिम राहत प्रदान की गई है।

मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को खराब मौसम के पूर्वानुमान के दृष्टिगत विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए शिक्षण संस्थानों को 14 अगस्त, 2018 को बंद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने उपायुक्तों को पर्यटक तथा स्थानीय लोगों को नदियों के किनारे नहीं जाने देने के लिए कदम उठाने व ट्रैकिंग गतिविधियों पर नजर रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों, जल व विद्युत आपूर्ति की बहाली के लिए पर्याप्त श्रमशक्ति व मशीनरी तैनात की गई है तथा उपायुक्तों व सम्बन्धित विभागों को धनराशि जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसी भी हिस्से में आवश्यक खाद्य सामग्री की कोई भी कमी नहीं है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व एवं लोक निर्माण मनीषा नंदा ने कहा कि प्रदेश में भू-स्खलन के कारण 923 सड़कें अवरूद्ध हैं, जिनमें 6 राष्ट्रीय उच्च मार्ग भी शामिल हैं। विभाग इन सड़कों को शीघ्रातिशीघ्र खोलने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि बचाव और राहत कार्यों के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है और अगर आवश्यक हो तो उपायुक्त सड़कों को बहाल करने व अन्य कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर भी मशीनरी किराये पर ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने देखी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आरम्भिक जीवन पर फिल्म

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

शिमला। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रारम्भिक जीवन पर मंगेश हड़ावले द्वारा निर्देशित फिल्म गत दिवस शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर ने मंत्रिमण्डल के सहयोगियों व विधायकों सहित फिल्म देखी। विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी, मीडिया जगत के लोगों, शिमला शहर के लोगों तथा सैलानियों ने भी फिल्म देखी।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह एक प्रेरणादायक फिल्म है जो बचपन की मासूमियत के बारे में बताती है तथा युवा लोग जो आपस में एक दूसरे की मदद करते हैं, को भी इसमें आकर्षक ढंग से दर्शाया गया है।

जय राम ठाकुर ने कहा श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन सभी के लिये प्रेरणा का स्त्रोत है, जो एक साधारण जीवन जीते हुए आगे बढ़े और विश्व के सबसे बड़े प्रजातंत्र के प्रधानमंत्री बने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फिल्म निश्चित रूप से लोगों, विशेषकर युवाओं को प्रेरणा प्रदान करेगी कि जीवन में कठिनाईयों का सामना करते हुए आप किसी भी उंचाई को हासिल कर सकते हैं।

नाहन मेडिकल कॉलेज में मरीजों के 'अच्छे इलाज' के लिए करना होगा 'लंबा इंतजार'

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

नाहन। उम्मीद पर दुनिया कायम। इसका दामन कभी न छोड़ने की सीख मुफ्त में दी जाती है। यह उक्ति नाहन मेडिकल कॉलेज पर चरितार्थ है। इसमें मरीजों को अच्छे इलाज के लिए अस्पताल की हालत को देखते हुए यही सलाह दी जा सकती है, कुछ इंतजार करें। लंबा इंतजार आगे हो सकता है उनको अच्छे, उपचार की सुविधा मिलें। अभी तो यहां अल्ट्रासाउंड करवाने में भी नानी-दादी याद आ रही है।

अभी तो अल्ट्रासाउंड करवाने में भी याद आ रही है नानी-दादी

नाहन में मेडिकल कॉलेज अस्तित्व में भले आ गया है। इसमें तय मानकों के अनुसार उपचार की सुविधाएं, डाक्टर व अन्य स्टाफकम है। अल्ट्रासाउंड के लिए महीने बाद तक भी आने को कहा जा रहा है। इससे मरीज जो कि इतना लंबा इंतजार नहीं कर पाते, प्राइवेट अस्पतालों में ज्यादा खर्च कर अल्ट्रासाउंड करवाने को मजबूर हो रहे हैं। इसमें गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। अल्ट्रासाउंड के लिए मेडिकल कॉलेज में जगह भी कम है तो मरीज की लाइन बेहद लंबी। वहीं रेडियोलॉजिस्ट सिर्फ दो, जबक कम से कम 4 की आवश्यकता है। अन्य विभागों में भी सुविधाओं का अभाव ही ज्यादा खलता है। यहां तक कि मरीजों व तीमारदारों के बैठने के लिए भी जगह नहीं है। ऐसे में बीमार बुजुर्ग-बच्चों व गर्भवती महिलाओं को बेहद परेशानी हो रही है। यह पूरे सिरमौर जिला का बड़ा अस्पताल है। दूरदराज से बड़ी संख्या में रोगी उपचार के लिए आते हैं। ठीक होकर जाने से पहले अल्ट्रासाउंड आदि करवाने के लिए किस कदर धक्के खाते हैं यह भुक्तभोगियों से बेहतर कौन जान सकता है।

पांवटा के जंगलों में अमंगल

अवैध कटान जोरों पर, विभाग वाले कतई लापरवाह

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

पांवटा। पांवटा वन मंडल (रिजर्व फॉरेस्ट) क्षेत्र में अमंगल की स्थिति है। अवैध रूप से पेड़ों का कटान किया जा रहा है जबकि विभागीय अधिकारी-कर्मचारी कतई लापरवाह बताए जा रह हैं। इससे अवैध कटान वालों के हौसले बुलंद हैं। उनकी चांदी है, कुछ की तो पांचों उंगलियां घी में, जबकि वन विभाग को लाखों का घाटा व पर्यावरण की क्षति हो रही है। आरोप है कि अवैध कटान में कुछ नहीं काफी कुछ दाल में काला है। विभागीय मिलीभगत है, तमाम शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है, अधिकारी सब कुछ अनसुना कर देते हैं।

धारटीधार के जंगल (रिजर्व) अवैध कटान करने वालों के लिए अच्छी कमाई का जरिया माना जाता है। कटान भी जम कर है, जिसे खुली आंखों से देखा जा सकता। कटे पेड़ों के ठूंठ इसकी गवाही देते हैं। यह अलग बात है कि विभाग को न कुछ दिख रहा है न सुनने को ही तैयार हैं, जिससे अवैध कटान कम होने की बजाय बढ़ता जा रहा है। लोगों का आरोप है कि विभागी मिलीभगत के चलते जंगल के दुश्मनों का कुछ नहीं बिगड़ रहा है। उलटे शिकायत करने वालों को ही झूठे मामलों में फंसाने का डर दिखाकर चुप कर दिया जाता है।

प्रकाशक, संपादक एवं स्वामी राजेश राही द्वारा सिद्धार्थ मीडिया प्रिंटर्स, 24/9, इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, चंडीगढ़ से मुद्रित व रेणुका सिरमौर हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित